बुधवार
11 जनवरी 2023
डिजिटल संस्करण

केशव टाइम्स
आपकी आवाज

भोजपुर में एक साथ उठी चाचा और भतीजे की अर्थी 2

प्रमुख खबरें : पटना ■ भोजपुर ■ बक्सर ■ रोहतास ■ पूर्वांचल ■ मिथिलांचल ■ विविध ■ खेल ■ आर्थिक

राज्य में ही संकट में है आदिवासियों का अस्तित्वः लोबिन हेंब्रम

एजेंसी/धनबाद

सम्मेद शिखर पर दावे को लेकर आदिवासी समाज मंगलवार को प्रदर्शन कर रहा है। पारसनाथ पहाड़ के आसपास की दुकानों को बंद कराया गया है। सभा स्थल पर नारेबाजी करते हुए लोग पहुंच रहे हैं। पूरे इलाके में पुलिस फोर्स तैनात की गई है। संताल हाथों में तीर-धनुष लेकर सड़कों पर उतर चुके हैं। हाथों में तीर धनुष भाला और डुगडुगी लिए हजारों संताली समुदाय के लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और स्थानीय विधायक सुदीप्त सोनू के प्रति अपनी नाराजगी जाहिर कर रहे हैं। मरंगबुरू पूजा स्थल में वे जमकर नारेबाजी कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि इस पूजा स्थल से संताली समुदाय के लोग पूजा कर वापस मधुबन थाना स्थित फुटबॉल ग्राउंड में जमा होंगे और वहां

♦ संतालियों ने हाथों में तीर धनुष लेकर पीएम और सीएम के साथ विधायक के प्रति जातई नाराजगी

सभा करेंगे। आदिवासी सेंगेल अभियान के सालखन मुर्मू, जेएमएम के वरिष्ठ विधायक लोबिन हेंब्रम, पूर्व विधायक गीताश्री उरांव, अंतरराष्ट्रीय संताल परिषद के नरेश मुर्मू, सिद्हो कान्हों के वंशज मंडल मुर्मू सहित कई लोग मंच पर पहुंचे।

विधानसभा में मुझे बोलने नहीं दिया गया : सभा को संबोधित करते हुए विधायक लोबिन हेंब्रम ने कहा जिस उद्देश्य से झारखंड राज्य का गठन हुआ था उस राज्य में आदिवासियों का अस्तित्व ही संकट में है। हेमंत सोरेन की सरकार बनी। आदिवासियों को लगा अब तो हमारी

बात भी सुनी जाएगी लेकिन ऐसा नहीं हुआ। विधानसभा में मुझे बोलने नहीं दिया गया। विधानसभा के बाहर हम फूट-फूटकर रोए लेकिन अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हेमंत सोरेन जो आज मुख्यमंत्री है, उन्हें मरांग बुरु पारसनाथ पहाड़ की अस्मिता के बारे में सोचना चाहिए। लेकिन वह ऐसा नहीं कर रहे हैं। अब हम नहीं मानेंगे। बड़ा आंदोलन करेंगे।

उन्होंने कहा 24 फरवरी को भारत बंद किया जाएगा इस दिन हम केंद्र सरकार और राज्य सरकार को यह बताएंगे आदिवासी की क्षमता क्या है। आज हुए कार्यक्रम के बाद उन्होंने 20 जनवरी को खूंटी के उलीहातू में इसी तरह की सभा आयोजित करने की बात कही। 2 फरवरी और 22 फरवरी को भोगनाडीह व दुमका में सभा आयोजित करेंगे। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है जब हम अपनी ताकत का अहसास कराएं। मंच से उन्होंने लोगों से अपील की है कि मोराबादी आइए और अपनी ताकत का एहसास कराइए। उन्होंने लोगों से कहा कि केवल आप ही नहीं आइए गाय बैल-मुर्गा-मुर्गी जो भी संभव हो सबको लेकर आइए और अपनी ताकत दिखाइए। झारखंड के आदिवासी संताल समुदाय ने दावा किया है कि यह उनका मरांग बुरु यानी बूढ़ा पहाड़ है। ये उनकी आस्था का केंद्र है। यहां वे हर साल आषाढ़ी पूजा में सफेद मुर्गे की बलि देते हैं। इसके साथ छेड़छाड़ उन्हें मंजूर नहीं होगी। इस दावे को लेकर मंगलवार को जनसभा का आयोजन किया गया है।

सरकार बिना देर किए हमसे बातचीत करें : सालखन मुर्मू

झारखंड सेंगेल अभियान के प्रमुख सालखन मुर्मू ने कहा पारसनाथ पहाड़ का जैनीकरण हो गया है। हमें अब जागना होगा। पारसनाथ पहाड़ हमारे देवता हैं। हमें अगर बड़ी जीत हासिल करनी है तो संगठन बड़ा करना होगा। उन्होंने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि भोले-भाले आदिवासी इसलिए ठगे जाते हैं क्योंकि उनके बीच आज भी नशा है। राग-द्वेष है। हड़िया-दारू पीने की प्रवृत्ति है। इससे ऊपर उठना होगा। संविधान ने हम आदिवासियों को जो अधिकार दे रखे हैं, उसके बारे जानना जरूरी है। मंच से उन्होंने केंद्र सरकार और राज्य सरकार को संबोधित करते हुए कहा कि बिना देर किए अविलंब हम लोगों से बातचीत करें।

'टाइम पास यात्रा' है मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की समाधान यात्राः डॉ. संजय

केटी न्यूज/पटना

मंगलवार को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. संजय जायसवाल ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उनकी सरकार पर जम कर धावा बोला। सीएम के समाधान यात्रा को संजय जायसवाल ने 'टाइम पास यात्रा' बताते हुए कहा कि सीएम अपनी यात्रा के दौरान कई जिलों की यात्रा कर लिए हैं। लेकिन अभी तक किसी भी समस्या का समाधान नहीं किया गया है।

पटना के भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि नीतीश कुमार यात्रा के नाम पर पर्यटन कर रहे हैं। उनके अधिकारी एक गांव को पहले रंगरोगन कर दे रहे हैं और फिर उसी गांव को देख कर सीएम बिहार का विकास मान रहें है और खुश हो रहे हैं। सीएम ने अपने यात्रा का नाम 'समाधान यात्रा' रखा है, लेकिन एक

भी समस्या का समाधान नहीं हो रहा है। केंद्र की कई योजनाएं भी राज्य सरकार के उपेक्षा के कारण ठप पड़ी हुई है। सही मायने में ये सरकार बिहार विरोधी हो गई है। उन्होंने कहा कि बिहार में आज भी उर्वरक की कोई कमी नही है, बिहार सरकार द्वारा कृत्रिम किल्लत पैदा की जा रही है। बिहार में आज 69 हजार एमटी यूरिया उपलब्ध है जबकि डीएपी 1.09 लाख एमटी उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार उर्वरक की कमी का गलत बयानी कर किसानों को ठग रही है।

बिहार से विभिन्न मार्गों के लिए मार्च से शुरू होगा बसों का परिचालन

उत्तर प्रदेश, ओडिशा और झारखंड के लिए चलेंगी 140 से अधिक नयी बसें

■ राज्य परिवहन प्राधिकरण ने परमिट की स्वीकृति के लिए 15 जनवरी तक ऑनलाइन आवेदन मांगा

केटी न्यूज/पटना

बिहार के विभिन्न मार्गों से मार्च में 140 से अधिक बसों का परिचालन शुरू किया जाएगा। परिवहन विभाग के मुताबिक इसको लेकर बिहार-ओडिशा, बिहार-झारखंड व बिहार-यूपी के साथ पारस्परिक परिवहन समझौता हो गया है। इसके बाद 70 से अधिक अंतरराज्यीय मार्गों के लोगों को सहूलियत होगी। अधिकारियों ने बताया कि इन मार्गों पर लोगों के लिए बसों का परिचालन कम होता है। इस कारण से इस मार्ग पर लोगों को काफी परेशानी होती है। बिहार के विभिन्न जिलों से बस सेवा का विस्तार होने के बाद लोगों को सहूलियत होगी। इन मार्गों पर परमिट देने की काफी समय से रिक्तियां थीं। विभाग ने समीक्षा बैठक के बाद इन खाली मार्गों को भरने का निर्णय लिया है, ताकि हर व्यक्ति को कहीं आने जाने में परेशानी नहीं हो।

परमिट के लिए राज्य परिवहन प्राधिकरण ने परमिट की स्वीकृति के लिए 15 जनवरी तक ऑनलाइन आवेदन मांगा है। परमिट मिलने के

बिहार से छत्तीसगढ़ : मुजफ्फरपुर-जसपुर, पटना- अम्बिकापुर, सीवान-जसपुर, जसपुर-जैरागी, बिहारशरीफ-अम्बिकापुर, अम्बिकापुर -बोधगया, राजगीर-जसपुर, सासाराम-रायगढ़, जसपुर-सासाराम, भभुआ-अम्बिकापुर, भागलपुर-जसपुर, पटना-कुनकुरी, आरा-जसपुर, सासाराम-कोरबा, छपरा-जसपुर, सासाराम -कोरबा, छपरा-जसपुर, दरभंगा-कुनकुरी, मोतिहारी -जसपुर, बेगूसराय -कुनकुरी, भागलपुर - कुनकुरी, सीवान-बगीचा, डेहरी आन सोन-अम्बिकापुर, डेहरी आन सोन-अम्बिकापुर (अलग रूट से), पटना-जसपुर

बिहार से उड़ीसा

पटना - रायपुर, बिहारशरीफ - बारीपारा, बिहारशरीफ - रायरंगपुर और दरभंगा - रायरंगपुर

बाद बिहार-ओडिशा के बीच चार, बिहार-छत्तीसगढ़ के बीच 60 और बिहार - यूपी के बीच 67 से अधिक बसों का परिचालन होगा। विभाग के मुताबिक 23 जनवरी से 21 फरवरी तक परमिट देने का काम पूरा होगा और मार्च से बसों का परिचालन शुरू हो जायेगा।

बिहार से उत्तर प्रदेश

पटना-वाराणसी, गया-सारनाथ, पटना- आरा, छपरा -गोरखपुर, देवरिया-पटना, वाराणसी-डेहरी, रामनगर-भभुआ, बक्सर-उजियारघाट, छपरा- बलिया, आजमगढ़-मुजफ्फरपुर, वाराणसी-गया, लखनऊ-वाराणसी, बलिया-बक्सर, अलीनगर-डेहरी, भभुआ-वाराणसी, पटना-गोरखपुर, भभुआ-वाराणसी, मुजफ्फरपुर -गोरखपुर

110 नये बस स्पॉट बनाने का लिया गया निर्णय

बिहार-झारखंड, बिहार-उड़िसा और बिहार-छत्तीसगढ़ के लिए मार्च से 140 से अधिक बसों का परिचालन शुरू होगा। इसके लिये राज्य में 110 नये बस स्पॉट बनाने का निर्णय लिया गया है। राज्य सरकार के दिशा-निर्देश पर परिवहन विभाग ने सभी जिलों से स्टॉप बनाने के लिए जगह चिन्हित कर रिपोर्ट मांगा है। जहां से अधिक से अधिक लोगों को बसों के परिचालन में सुविधा हो सकें। विभाग के मुताबिक सड़क सुरक्षा को देखते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में बस स्टॉप का निर्माण किया जायेगा। पूर्व में भी कुछ स्टाप का निर्माण कराया गया है। बस स्टॉप पर सभी बसे रहेंगी। यह स्टॉप पूरी तरह से बारिश, गर्मी से यात्रियों को बचायेगी और यहां लाइटिंग की पूरी व्यवस्था की जायेगी। बस स्टॉप पर आकर्षक पेंटिंग बनायी जायेगी। बिहार के विभिन्न मार्गों पर बस चालने के लिए परमिट की जरूरत होती है। ऐसे में राज्य परिवहन प्राधिकरण ने परमिट की स्वीकृति के लिए 15 जनवरी तक ऑनलाइन आवेदन मांगा है। परमिट मिलने के बाद बिहार-ओडिशा के बीच चार, बिहार-छत्तीसगढ़ के बीच 60 और बिहार-यूपी के बीच 67 से अधिक बसों का परिचालन होगा।

कोहरे को लेकर राज्य में ऑरेंज अलर्ट, गया सबसे ठंडा जिला

पटना। बिहार के गया, भागलपुर, बांका, मोतिहारी, पूर्णिया, सारण सहित 38 जिलों में मंगलवार को कोल्ड डे और कोहरे को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। प्रदेश में पिछले दस दिनों से लगातार तापमान में गिरावट हो रही है। इस दौरान उत्तर पश्चिम की तरफ से छह से आठ किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से बर्फीली हवाओं की वजह से पूरे बिहार में कंपकंपी की स्थिति है। मौसम विभाग के मुताबिक हवा का दबाव सामान्य से ऊंचे स्तर पर बना रहने से लोगों को हार्टअटैक और ब्रेन हेमरेज की समस्या हो सकती है।

मौसम विभाग के मुताबिक 11 जनवरी तक मौसम ऐसे ही रहने की संभावना जताई जा रही है। इस दौरान तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जाएगी। इससे ठंड का असर दिखाई देगा। बिहार में 48 घंटे तक घने कोहरे का असर दिखाई देगा। मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है। बिहार में बढ़ती ठंड को देखते हुए मौसम विभाग की ओर से एक एडवाइजरी जारी की गई मौसम विभाग ने चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि जब तक बहुत जरूरी ना हो लोग अपने घरों से बाहर ना निकले मौसम विभाग के मुताबिक हवा का दबाव सामान्य से ऊंचे स्तर पर बना रहने से लोगों को हार्टअटैक और ब्रेन हेमरेज की समस्या हो सकती है। साथ ही दिल, शुगर. ब्रेन, टीवी मरीजों के साथ ही बुजुर्ग और बच्चों को विशेष ध्यान देने को कहा है। विभाग ने लोगों से विशेष आवश्यकता पर ही घर से निकलने की सलाह दी है।

बच्चों का टीकाकरण: को-विन की तर्ज पर यू-विन पोर्टल लॉन्च करेगी सरकार

केटी न्यूज/पटना

♦ पायलट प्रोजेक्ट के तहत देश के 65 जिलों में जल्द होगी इसकी शुरूआत

बच्चों का टीकाकरण भी अब कोरोना की तरह नए प्लेटफार्म पर होगा। को-विन की तरह यू-विन पोर्टल पर पहले रजिस्ट्रेशन होगा, फिर वैक्सीनेशन किया जाएगा। भारत सरकार कोरोना के वैक्सीनेशन के लिए तैयार किए गए को-विन पोर्टल की तर्ज पर यू-विन पोर्टल लॉन्च करने जा रही है। ट्रायल के लिए पायलट प्रोजेक्ट के तहत देश के 65 जिलों में बहुत जल्द इसकी शुरूआत हो जाएगी, इसमें बिहार के दो जिले पटना और सुपौल को भी शामिल किया गया है। नए प्लेटफार्म पर टीकाकरण से इम्यूनजैशन का पूरा डाटा ऑनलाइन हो जाएगा। इसके साथ ही आम लोगों को घर बैठे सेशन साइट से लेकर प्रमाण-पत्र की पूरी जानकारी मिल जाएगी।

को-विन की तरह तैयार किया गया यू-विनः कोरोना के वैक्सीनेशन के लिए भारत सरकार ने को-विन पोर्टल लॉन्च किया था। इसमें आम लोगों को घर बैठे सेशन साइट की जानकारी के साथ हर वैक्सीनेशन से जुड़ी हर जानकारी मिल जाती थी। भारत सरकार का यह पोर्टल काफी सफल रहा। पूरे देश का डेटा जहां सेंट्रलाइज हो गया वहीं आम लोगों को भी घर बैठे हर जानकारी मिल जाती है। कोरोना वैक्सीनेशन की सफलता के बाद भारत सरकार ने इसी तर्ज पर बच्चों के वैक्सीनेशन का प्लेटफार्म तैयार किया है, इसे यू-विन नाम दिया गया है। यू-विन का मतलब सामान्य वैक्सीनेशन से है। भारत सरकार ने इसे यूनिवर्सल इम्यूनजैशन प्रोग्राम में शामिल किया है।

वाहनों का दबाव देखने के साथ सरकार ने लिया बड़ा निर्णय

जल्द ही आठ लेन का बनाया जाएगा यमुना एक्सप्रेस-वे

❒ 15 दिनों के अंदर टेक्निकल कमेटी रोड सेफ्टी नॉर्म्स के अनुसार तैयार करेगी डीपीआर

एजेंसी/नई दिल्ली

यमुना एक्सप्रेस वे से सफर करने वालों के लिए एक अच्छी खबर है। यमुना एक्सप्रेस-वे 8 लेन का कर दिया जाएगा। फिलहाल यमुना एक्सप्रेस--वे 6 लेन का है। लगातार बढ़ रही वाहनों की संख्या को लेकर यह फैसला लिया गया है। जल्दी ही यमुना एक्सप्रेस-वे को आठ लेन के बनाने का कार्य शुरू हो जाएगा। यमुना प्राधिकरण के सीईओ अरुणवीर सिंह

एक दिन में गुजरते हैं 32,000 वाहन

गौरतलब है कि यमुना एक्सप्रेस वे पर एक दिन में करीब 32,000 वाहन गुजरते हैं। आगे इन वाहनों के और ज्यादा बढ़ने की संभावना है। जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनने के बाद वाहनों की संख्या और बढ़ जाएगी। ऐसे में यमुना एक्सप्रेस वे पर वाहनों का ज्यादा दबाव न बने, इसलिए इसे 8 लाइन का किया जा रहा है। सीईओ अरुनवीर सिंह ने बताया कि यमुना एक्सप्रेस वे पर हादसों को रोकने के लिए भी काफी कार्य कराए गए हैं ।जो भी एक्सपर्ट के द्वारा बताया गया उसी हिसाब से यमुना एक्सप्रेस व कार्य कराए गए। जिसकी वजह से पिछले वर्ष में हादसों में भी कमी आई है।

ने बताया कि यमुना एक्सप्रेस वे को अब 6 लाइन से 8 लाइन का कर दिया जाएगा, क्योंकि यहां वाहनों की संख्या 32 हजार वाहन प्रतिदिन हो गई है। सेशन एग्रीमेंट में यह बात पहले से लिखी हुई है कि अगर टोल पर वाहनों की संख्या 32,000 प्रतिदिन के आसपास हो जाएगी तो इसे 6 लाइन से आठ लाइन का कर दिया जाएगा।

अरुणवीर सिंह ने कहा कि एक्सप्रेस वे को 8 लाइन करने के लिए आदेश दिए गए हैं। इसकी डीपीआर बनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि टेक्निकल कमेटी रोड सेफ्टी के नॉर्म्स के अनुसार 15 दिन के अंदर डीपीआर तैयार कर लेगी। डीपीआर तैयार होने के बाद एक्स्प्रेस वे को 8 लाइन में करने का काम शुरू हो जाएगा। इसके विस्तार का पूरा खर्च जेपी इंफ्राटेक लिमिटेड को ही उठाना है। 2024 में जेवर एयरपोर्ट का संचालन शुरू होना है। एयरपोर्ट शुरू होने पर वाहनों की संख्या और बढ़ेगी। इसको देखते हुए यह काम एयरपोर्ट का संचालन शुरू होने से पहले पूरा करने की तैयारी है। यमुना एक्सप्रेसवे के दोनों किनारे लगे बैरियर की लंबाई बहुत कम है। जीरो प्वाइंट पर भी सोमवार को इसी तरह का हादसा हुआ है।

खबरें फटाफट

करकट से ढंका मिला युवक का शव

आरा। कोईलवर थाना क्षेत्र के पचैना बाजार से मंगलवार की सुबह एक युवक का शव बरामद किया गया। शव एक घर में करकट से ढंका हुआ था। मृत युवक की पहचान नहीं हो सकी है। ठंड लगने से मौत होने की आशंका जताई जा रही है। वहीं शव मिलने से इलाके में सनसनी मच गई है। उसके बाद स्थानीय लोगों की ओर से स्थानीय थाना को सूचना दी गयी। उस आधार पर मौके पर पहुंची पुलिस द्वारा पंचनामा तैयार कर शव का पोस्टमार्टम कराया गया। पुलिस शव की पहचान करने और मामले की छानबीन में जुट गयी है। पुलिस की मृत्यु समीक्षा रिपोर्ट के अनुसार युवक की मौत ठंड लगने के कारण होना प्रतीत हो रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण पूरी तरह स्पष्ट हो पाएगा।

युवक की संदिग्ध परिस्थिति में मौत

सासाराम। जिले के नोखा थाना क्षेत्र के डांगरा टोला में मंगलवार एक युवक की मौत विषैला पदार्श खाने से हो गया। मृतक के परिजनों ने हत्या का आरोप लगाते हुए थाने में आवेदन दिया है। बताते हैं कि बलिराम चौधरी के बेटे रामअवतार चौधरी ने कोई जहरीली दवा खा लिया था। घबराए परिवार वाले उसे आनन-फानन में प्राथमिक स्वास्थ्य केद्र ले जाया गया। जहां से उसे सदर अस्पताल, सासाराम रेफर कर दिया गया। वहां से भी उसे एनएमसीएच, जमुहार रेफर कर दिया गया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पत्नी किरण कुमारी द्वारा हत्या का आरोप लगाते हुए थाने में आवेदन दिया गया है। जिसमें मुन्ना पाण्डेय पर पैसा वसूली के लिए पति की हत्या का आरोप लगाया है। मृतक के पिता बलिराम चौधरी ने बताया कि आज बेटा आया और कहा कि मुन्ना पाण्डेय द्वारा उसे जबरदस्ती जहरीला दवा खिला दिया गया है।

लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराने के लिए विभाग तत्पर: सिविल सर्जन

केटी न्यूज/सासाराम

- समीक्षा बैठक में ग्रामीण स्वास्थ्य सुविधा को बेहतर करने के लिए सिविल सर्जन ने दिए दिशा निर्देश

स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर करने के लिए राज्य सरकार का स्वास्थ्य विभाग लगातार प्रयासरत है। इसके लिए लगातार विभिन्न कार्यक्रमों एवं योजनाओं के माध्यम से लोगों को सीधे लाभ पहुंचाया जा रहा है। पिछले दिनों मिशन 60 की सफलता के बाद सरकार ने सभी जिला स्वास्थ्य समिति के कार्यों की सराहना की है। मिशन 60 के तहत बेहतर परिणाम देने वाले जिला को पुरस्कृत किया गया है।

रोहतास जिला स्वास्थ्य समिति ने भी स्वास्थ्य के क्षेत्र में बेहतर प्रबंधन के बाद लोगों को और अधिक सुविधा मुहैया कराने के लिए कमर कस ली है। जिले के विभिन्न प्रखण्डों में स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में बेहतर सुविधा मुहैया करायी जाए इसके लिए भी जिला स्वास्थ्य समिति लगातार प्रयासरत है। स्वास्थ्य सुविधा को

बेहतर करने के उद्देश्य से मंगलवार को रोहतास के सिविल सर्जन डॉ केएन तिवारी की अध्यक्षता में जिलास्तरीय समीक्षा बैठक की गई। जिसमें सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में स्वास्थ्य संबंधी कार्यों की समीक्षा की गई। साथ ही स्वास्थ्य क्षेत्र में जिले को मिली रैंकिंग के आधार पर सभी प्रखण्ड के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की समीक्षा की गयी। इस दौरान प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र द्वारा कार्य में कोताही बरतने एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में सुविधाओं के बारे में भी जानकारी ली गई। साथ ही सिविल सर्जन द्वारा एमओआईसी एवं बीएचएम को कार्य में सुधार के लिए कई दिशा निर्देश भी दिया गया।

अनुमंडल की तर्ज पर जिले के सभी पीएचसी में मजबूत होगी स्वास्थ्य सुविधा

रोहतास के सिविल सर्जन डॉ केएन तिवारी ने कहा कि मिशन 60 के तहत विकास को लेकर जो कार्य हुए हैं। उसका सकारात्मक परिणाम देखने को मिला है। अनुमंडल की तर्ज पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर भी बेहतर सुविधा मुहैया कराई जाएगी। सिविल सर्जन ने बताया कि सदर अस्पताल में ओपीडी का संचालन दो शिफ्टों में किया गया है। इसका परिणाम भी बेहतर देखने को मिल रहा है। साथ ही सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों के एमओआईसी एवं बीएचएम को दिशा निर्देश दे दिया गया है कि स्वास्थ्य सुविधा को और बेहतर करें।

सुदृढ़ होगी ग्रामीण स्वास्थ्य सुविधा : ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए भी राज्य सरकार द्वारा लगातार कार्य किए जा रहे हैं। इसके तहत रोहतास जिला स्वास्थ्य समिति भी जिले के विभिन्न प्रखंडों में स्वास्थ्य सुविधा को बेहतर करने के लिए प्रयासरत है। खासकर सुदूरवर्ती एवं ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग लोगों तक टेलीमेडिसिन संजीवनी एप के माध्यम से स्वास्थ्य लाभ पहुंचा रही है। जिसका परिणाम यह देखने में आ रहा है कि ग्रामीण क्षेत्रों में मौजूद प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर भी लोगों की भीड़ देखी जा रही है।

झारखंड के धनबाद में दम घुटने से हुई थी चाचा-भतीजे की मौत

भोजपुर में एक साथ उठी चाचा भतीजे की अर्थी

- युवा चाचा-भतीजे की मौत से मुफस्सिल के जोरवपुर गांव में पसरा मातम
- मंगलवार की सुबह दोनों का शव पहुंचते ही घर में मचा कोहराम

केटी न्यूज/आरा

पवन तिवारी

कृष्णकांत तिवारी

झारखंड के धनबाद जिले के कतरास बाजार में दम घुटने से मुफस्सिल के जोरवपुर गांव निवासी चाचा-भतीजे की मौत हो गयी। मृतकों में जोरवपुर गांव निवासी 35 वर्षीय पवन तिवारी और 30 वर्षीय कृष्ण कांत तिवारी थे। दोनों का शव मंगलवार सुबह उनके पैतृक गांव जोरवरपुर लाया गया। शाम दोनों शवों का सलेमपुर घाट पर अंतिम संस्कार किया गया। वहीं एक साथ चाचा-भतीजे की अर्थी उठते देख परिवार के साथ गांव के लोग भी बिलख उठे। युवा चाचा-भतीजे की मौत से जहां घर में कोहराम मचा है, तो गांव में भी मातम पसरा हुआ है। सोमवार सुबह मौत की सूचना मिलने के बाद से ही उनके घर में रोना-धोना मचा था। ऐसे में मंगलवार की सुबह दोनों का शव आते ही परिजन बिलख पड़े। घर की महिलाओं की चीत्कार से पूरा माहौल गमगीन हो उठा था।

चूल्हे से निकली गैस से घुट गया दोनों का दम : जोरवरपुर गांव निवासी पवन तिवारी और उनके भतीजे कृष्ण कांत तिवारी निदान म्यूचुअल बेनिफिट प्राइवेट कंपनी चलाते थे। उनकी कंपनी महिलाओं को ग्रुप लोन देती थी और पैसे भी जमा कराती थी। कंपनी का कार्यालय कतरास बाजार में हीरक रोड के समीप थी। दोनों कंपनी के कार्यालय के उपर किराये के मकान में रहते थे। बताया जा रहा है कि रविवार की रात दोनों कमरे में सो रहे थे। ठंड से बचने के लिए कमरे कोयले का चूल्हा जलाया गया था। वाली प्राइवेट कंपनी चलाते थे। उससे कमरे में गैंस भर गयी और दोनों का दम घुट गया, जिससे उनकी मौत हो गयी। सोमवार की सुबह कंपनी के कर्मचारी ऑफिस पहुंचे, तो घटना की जानकारी मिली।

छीन गया बुढ़ापे का सहारा : विनय तिवारी का 30 वर्षीय पुत्र कृष्णकांत तिवारी अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। वह अपने चाचा पवन तिवारी के साथ झारखंड के कतरास में लोन देने वाली कंपनी चला रहा था। उसकी तो अभी शादी भी नहीं हुई थी। उसकी मौत से मां-पिता का बुरा हाल था। दोनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया था। बेटे का शव देखते ही मां अचेत होकर गिर पड़ी। वहीं पवन तिवारी को दो पुत्र हैं। बड़ा बेटा नौ साल का बेटा मन्नू तिवारी और छोटा चार साल का हर्षित तिवारी है।

छत से गिरकर इंटर के छात्र की हुई मौत, मचा कोहराम

केटी न्यूज/आरा

- रात में लघुशंका के लिए उठा था रोहित, असंतुलित होकर गलियारे में गिर पड़ा

जिले के सिकरहट्टा थाना क्षेत्र के कुरमुरी गांव में सोमवार की रात छत से गिरकर इंटर के एक छात्र की मौत हो गई। इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाने के दौरान उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया।

मृत छात्र सिकरहट्टा थाना क्षेत्र के कुरमुरी गांव निवासी मनोज शर्मा का 21 वर्षीय पुत्र रोहित शर्मा था। उसके बड़े पिता दयाशंकर शर्मा ने बताया कि वह रोज दालान में सोता था। हाल में उसकी गाय बच्चा देने वाली थी। उस कारण सोमवार की रात उसका बड़ा भाई दालान में सो गया और वह छत पर बने रूम में सोने चला गया। उस बीच लघुशंका करने के लिए उठा था। उसी दौरान वह असंतुलित होकर गलियारे में गिर पड़ा और गंभीर रूप से जख्मी हो गया। उसके बाद उसे इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। वहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद उसके घर में कोहराम मचा है। बताया जाता है कि छात्र अपने चार भाइयों में सबसे छोटा था। उसके परिवार में मां चिंता देवी, भाई शशि भूषण शर्मा, छोटू शर्मा और रंजन शर्मा है। मां चिंता देवी सहित परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

एक नजर

रामपुर में बन रहे अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाई का उप विकास आयुक्त ने किया निरीक्षण

केसठ। सरकार गांव से शहर तक सफाई व्यवस्था व जलवायु शुद्ध रखने के लिए व्यापक रूप से कार्य कर रही है। तो वहीं प्रखंड के रामपुर में बन रहे अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाई का डीसी दीपक कुमार ने निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रसंस्करण इकाई में खामियो को दूर कर इसे बेहतर बनाने को कहा है। अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाई की जांच के दौरान उन्हों कहा की प्रसंस्करण इकाई में कार्य करने वाले मजदूर व तकनीशियनों को भी स्वस्थ्य व स्वच्छ रखना है, इसे जरुर याद रखें।वही उन्होंने बताया की प्रसंस्करण इकाई का निर्माण कराया जा रहा है जिसके बाद कूड़े-कचरे से खाद तैयार होगा।इस मौके पर डीआरपी राकेश कुमार स्वच्छता पर्यवेक्षक अयोध्या पासवान सहित अन्य मौजूद थे।

प्रशासन ने की अलाव की व्यवस्था

नावानगर। कड़ाके की ठंड के साथ पछुआ हवा एवं धने कोहरे का कहर जारी है। जिससे आम जनजीवन अस्त व्यस्त है । पिछले एक सप्ताह से पूरे दिन इलाके में सूर्य का दीदार नहीं हो रहा है। इससे ठंड का प्रकोप लोगों के लिए परेशानी बनी हुई है। इस स्थिति को देखते हुए मंगलवार से स्थानीय प्रशासन द्वारा नावानगर में पांच स्थानों पर अलाव जलाया है। उधर स्थानीय समाजसेवी द्वारा भी बाजार के चौराहे पर अलाव जलाने की व्यवस्था की गई है। हालांकि जिन जगहों पर अलाव जलाया है, उससे गरीबों असहायों एवं मजदूरों को बड़ी राहत मिली है। इधर सोनवर्षा बाजार के लोगों के अनुसार प्रशासन द्वारा मात्र एक जगह अलाव जलाकर अपने कर्तव्य से इतिश्री करने का कार्य किया है। जबकि बीते वर्ष पांच मुख्य स्थलों पर अलाव की व्यवस्था की गई थी। एक स्थान पर अलाव जलाकर शेष स्थानों को नजरअंदाज की गई है। सोनवर्षा के लोगों ने अन्य स्थलों पर भी अलाव जलाने की मांग स्थानीय प्रशासन से की है।

दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता संपन्न

नावानगर। नेहरु युवा केंद्र बक्सर के बैनर तले जेएनवी नावानगर के खेल मैदान में प्रखंड स्तरीय दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता मंगलवार को संपन्न हो गया। जिसका उद्घाटन नवोदय विद्यालय के प्राचार्य रविंद्र झा, वासुदेवा ओपीध्यक्ष विष्णु देव कुमार, अतिमी पंचायत के उपमुखिया प्रतिनिधि अभिनंदन मिश्रा व युवा शक्ति के जिला अध्यक्ष रंजन यादव ने संयुक्त रुप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता में कबड्डी, वॉलीबॉल फुटबॉल खेल को शामिल किया गया था। इस प्रतियोगिता में प्रखंड के दर्जनो टीमों ने हिस्सा लिया। खेल प्रतियोगिता में बेहतर खेलने वाले खिलाड़ियों एवं टीम पर निर्णायक समिति ने अंक निर्धारित कर पुरस्कृत किया। प्रतियोगिता के आयोजक नेहरु युवा केंद्र के पुनजित सिंह ने बताया कि खेल प्रतियोगिता संपन्न हो गया है। बेहतर खेल प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी एवं टीम को पुरस्कृत किया गया।

रोहतास बार काउंसिल के चुनाव में 90% वोटिंग

सासाराम। जिला विधिक संघ का चुनाव मंगलवार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच बार काउंसिल के हुए चुनाव में 90 प्रतिशत वोटिंग हुई। संघ के मुख्य चुनाव आयुक्त लोकश्वर नाथ पाठक ने बताया कि कुल 1008 वोटरों में से 897 वोटर अध्विक्ताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। सुबह नौ बजे मतदान आरंभ हुआ जो शाम पांच बजे तक चलता रहा। मतदान के लिए पांच बूथ बनाए गए थे। बैलेट पेपर में आठ पदों के लिए मतदान हुआ। चुनाव को लेकर न्यायालय परिसर में दिनभर गहमागहमी रही। चुनाव में वोट डालने के लिए डेहरी एवं बिक्रमगंज अनुमंडलीय न्यायालय के अधिवक्ता भी पहुंचे। मतदान को लेकर युवा अधिवक्ताओं में विशेष उत्साह देखा गया। ज्ञात हो कि इस चुनाव में कुल 52 प्रत्याशियों ने आठ पदों पर अपना नामांकन दाखिल किया था। इसमें 2 लोगों का नामांकन रद्द होने के कारण अब कुल 50 प्रत्याशी 8 पदों हेतु चुनाव मैदान में थे। ज्ञात हो कि बार चुनाव के मुख्य पद अध्यक्ष हेतु कुल 4 उम्मीदवार राजेश कुमार, प्रेमचंद सिंह, जगदंबा सिंह उर्फ मार्कंडेय सिंह एवं कृष्ण मुरारी शर्मा; वहीं महासचिव पद हेतु कुल पांच प्रत्याशी उमेश कुमार दुबे, चंद्रशेखर सिंह, विश्वजीत सिंह, शैलेंद्र नाथ ओझा एवं सुरेंद्र प्रसाद सिंह मैदान में है। इस चुनाव के मतों की गिनती 11 जनवरी से 13 जनवरी तक होगी वही शपथ ग्रहण कार्यक्रम 14 जनवरी को संपन्न होगा।

आहर में डूबने से बच्चे की मौत, घर में मचा कोहराम

केटी न्यूज/आरा

- पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर सदर अस्पताल में कराया पोस्टमार्टम

जिले के चरपोखरी थाना क्षेत्र के कोयल गांव में मंगलवार की दोपहर आहर में डूबने से एक बालक की मौत हो गई। घटना को लेकर लोगों के बीच काफी देर तक अफरा-तफरी मची रही। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय थाना घटनास्थल पर पहुंच शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया।

जानकारी के अनुसार मृत बालक चरपोखरी थाना क्षेत्र के कोयल गांव निवासी शैलेंद्र राम का 3 वर्षीय पुत्र शिवम कुमार है। इधर मृत बालक के चाचा भूषण पासवान ने बताया कि उसके मां-बाप खलियान में काम करने गए थे और वह घर के बाहर आहर के किनारे खेल रहा था। जहां खेलने के दौरान वह अचानक लूंगढ़ कर आहार में गिर पड़ा। जिससे उसकी मौत हो गई। कुछ देर बीत जाने के बाद जब नहीं दिखा तो परिजनों ने खोजबीन करना शुरू किया जब वह कहीं नहीं मिला। इसके बाद परिजन आहर में प्रवेश कर उसे खोजना शुरू किया। खोजबीन के दौरान आहर से उसका शव निकाला गया। इसके पश्चात परिजनों ने इसकी सूचना स्थानीय थाना को दी। बताया जाता है कि मृत बालक अपने मां-बाप का इकलौती औलाद था। घटना के बाद मृत बालक के घर में कोहराम मच गया है। इस घटना के बाद मृत बालक की मां रानी कुमारी एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

महिला ने तीन बच्चों को एक साथ दिया जन्म

आरा। सदर अस्पताल के प्रसूति वार्ड में मंगलवार को एक महिला ने एक साथ तीन बच्चों को जन्म दिया है। तीनों की नॉर्मल डिलीवरी हुई हैं। डाक्टरों के अनुसार चारों जच्चा-बच्चा सुरक्षित हैं। वहीं एक साथ तीन बच्चों के जन्म लेने से महिला के घरवाले भी काफी खुश थे। उनका कहना था कि हनुमान जी की कृपा से सब मंगल हुआ है। घर में एक साथ तीन भाई आ गये। महिला सिकरहट्टा थाना क्षेत्र के इटहुरी गांव निवासी निवासी बिंकटेश पंडित की 24 वर्षीय पत्नी शोभा देवी हैं। उसकी 2015 में शादी हुई थी। उसे पहले से पांच साल की एक बेटी और तीन साल का बेटा भी है। परिजनों ने बताया कि सुबह लेबर पेन होने पर उसे डिलीवर के लिए सदर अस्पताल लाया गया। वहां, डाक्टरों के प्रयास में उसे एक साथ तीन बेटों ने जन्म लिया। ऑनड्यूटी चिकित्सक डॉ.शाजिया बदर ने बताया कि प्रसुता की हालत देख उनलोगों को नार्मल डिलीवरी होने की उम्मीद नहीं थी। उसके बावजूद उनलोगों द्वारा प्रयास किया गया और नॉर्मल डिलीवरी के दौरान एक साथ तीनों बच्चे पैदा हुए।

कृषि कार्यों में सहुलियत तथा प्रगति लाने के लिए विभागों का समन्वय जरूरी: डीएम

केटी न्यूज/जहानाबाद

जिलाधिकारी रिची पांडेय की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला स्तरीय कृषि टास्क फोर्स की बैठक हुई। बैठक में जिला कृषि पदाधिकारी, जिला सहकारिता पदाधिकारी, डीडीएम नाबार्ड, कार्यपालक अभियंता लघु सिंचाई, उदेरास्थान सिंचाई परियोजना, विद्युत, नलकूप, जिला पशुपालन पदाधिकारी, सहायक निदेशक, उद्यान, उप परियोजना निदेशक, आत्मा तथा अन्य पदाधिकारीगण सम्मिलित हुए।

बैठक में कृषि योजनाओं एवं कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में मुख्य रूप से रबी फसलों के आच्छादन, सिंचाई व्यवस्था तथा सम्मिलित विभागों के कार्यों की समीक्षा तथा परस्पर समन्वय स्थापित कर कृषि कार्यों में सहुलियत तथा प्रगति का निदेश जिलाधिकारी ने दिया। जिला कृषि पदाधिकारीने बताया कि रबी फसलों का आच्छादन 93.10% हुआ है। जिसमें गेहूं, मसूर, चना, राई सरसो इत्यादि। लघु सिंचाई विभाग के कार्यपालक अभियंता ने बताया कि 308 में से 153 नलकूप चालू है तथा उनसे सिंचाई का कार्य किया जा रहा है। जिला कृषि पदाधिकारी ने बताया गया कि जिले को गया/फतुहां रेक से एक-दो दिनों में कुल 1002.87 एमटी यूरिया और मिलने की संभावना है। जिससे रबी फसलों में उपरिवेशन हेतु पर्याप्त उर्वरक जिले को प्राप्त हो सकेगा। वर्तमान में जिले में उर्वरकों की कमी नहीं है तथा विभिन्न खुदरा प्रतिष्ठानों के पीओएस व भंडार में 585.135 एमटी यूरिया उपलब्ध है। अपील है कि कृषक बन्धु अनुशंसित मात्रा में खाद का प्रयोग अपने खेतों में फसल अनुसार करें। अभी उर्वरक विभिन्न उर्वरक प्रतिष्ठानों में है, जिसकी बिक्री निर्धारित मूल्य पर पीओएस मशीन के माध्यम से की जा रही है।

क्लिनिक की मदद से डॉक्टर देंगे मरीजों को उचित देखभाल की जानकारी

हाथीपांव के मरीजों की देखभाल के लिए एमएमडीपी क्लिनिक का उद्घाटन

- एमएमडीपी क्लिनिक में फाइलेरिया मरीजों को दी जाएगी जानकारी

केटी न्यूज/नवादा

ग्रामीणों एमएमडीपी क्लिनिक की जानकारी देते चिकित्सक

जिला में हाथीपांव ग्रसित मरीजों की देखभाल के लिए मोरबिडिटी मैनेजमेंट एंड डिसेबिलिटी प्रीवेंशन क्लिनिक खोले जा रहे हैं। प्रखंडों के सामुदायिक तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर एक अलग कक्ष प्रदान कर एमएमडीपी क्लिनिक खोलने की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। इसी प्रकार की क्लिनिक सदर अस्पताल में भी प्रारंभ किया गया है। जहां हाथीपांव ग्रसित मरीज प्रभावित अंगों की देखभाल की जानकारी लेने पहुंचते हैं। इस क्रम में मंगलवार को नारदीगंज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में एमएमडीपी क्लिनिक का उद्घाटन किया गया। बीडीओ रणजीत कुमार तथा प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ नवीन कुमार ने संयुक्त रूप से इस क्लिनिक का उद्घाटन किया। मौके पर बीएचएम राहुल कुमार, चिकित्सक डॉ फैजल सुल्तान, केयर इंडिया के डीपीओ विक्रम आदि मौजूद रहे।

समुदाय में फाइलेरिया के प्रति जागरूकता आयेगी

बीडीओ ने कहा कि हाथीपांव से ग्रसित लोगों के उनके प्रभावी अंगों के देखभाल की जानकारी देने के लिए इस प्रकार के क्लिनिक का खोला जाना एक सकारात्मक पहल है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा फाइलेरिया को पूरी तरह समाप्त करने दिशा में यह सराहनीय है। इससे जहां फाइलेरिया के रोगियों की देखभाल हो सकेगी, वहीं समुदाय में फाइलेरिया के प्रति जागरूकता भी आयेगी। उन्होंने कहा कि फाइलेरिया एक ट्रॉपिकल नेगलेक्टेड डिजीज की श्रेणी में आता है। फाइलेरिया से मौत तो नहीं होती लेकिन रोगी के जीवन में एक प्रकार की विकलांगता आ जाती है। इस प्रकार की विकलांगता से वह सामान्य व्यक्ति की तरह नहीं रह पाता। उसकी आर्थिक उपार्जन की शक्ति भी सामान्य व्यक्ति की तुलना में कम हो जाती है। उन्होंने कहा कि यहां पर चिकित्सक नियमित रूप से आये और मरीजों का आवश्यक जांच करें।

मरीजों को एमएमडीपी क्लिनिक लायें और उन्हें देखभाल की जानकारी दें : प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने कहा कि आशा अपने क्षेत्र से हाथीपांव ग्रसित लोगों को यहां एमएमडीपी क्लिनिक लायें और उन्हें देखभाल की जानकारी दें। लोगों को बतायें कि हाथीपांव होने का कारण मच्छर है। मादा मच्छर क्यूलेक्स के काटने से फाइलेरिया होता है। मच्छरों से बचाव करें। उन्होंने बताया कि गंभीर रूप से हाथीपांव से ग्रसित लोग विकलांगता की श्रेणी में शामिल होते हैं और अब उन्हें सरकार की ओर से वित्तीय सहायता का भी प्रावधान है।

खबरें फटाफट

सरकारी जमीन से हटाया गया अतिक्रमण

केसठ। प्रखंड क्षेत्र के खरवनिया गांव में सीओ कुमारी अनुकंपा द्वारा मंगलवार को अतिक्रमण हटाया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार स्थानीय गांव के लगभग आधा दर्जन लोगों के द्वारा एक जल स्त्रोत के बड़े भूभाग पर अधिकार बना लिया गया था। उक्त जमीन पर दखल कब्जा करने हेतु झोपड़ी व कच्चा फूस का घर बना लिया गया था। इस संबंध में सीओ कुमारी अनुकंपा ने बताया कि सरकार की योजना जल जीवन हरियाली को ध्यान में रखते हुए उस जगह को सुरक्षित रखना है। जिसके चलते अतिक्रमण हटाने का काम किया गया। यह कार्य जेसीबी के माध्यम से किया गया। मौके पर अंचल सीआई मनोज केसरी के अलावे नवानगर थाना व सोनवर्षा ओपी के पुलिस बल मौजूद रहे।

सड़क किनारे खड़ी बाइक हुई चोरी

डुमरांव। स्थानीय थाना क्षेत्र के बनकट-सम्हार रोड स्थित समाधि बाबा मंदिर के समीप सड़क किनारे खड़ी एक बाइक पर उचक्कों ने हाथ साफ कर दिया। बाइक काले रंग का स्प्लेंडर प्लस बीआर 44 एच 0493 बताया जाता है। इस मामले में पीड़ित सम्हार गांव का रहने वाला जनार्दन सिंह का पुत्र अजय कुमार सिंह ने डुमरांव थाने में आवेदन देकर अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। पीड़ित ने पुलिस को दिये गये आवेदन में बताया है कि मैं मंदिर के समीप सड़क किनारे अपनी बाइक को खड़ा कर शौच करने गया था। जब वापस लौटा तो बाइक नदारद थी। काफी खोजबीन किया लेकिन कहीं अता-पता नही चला। थानाध्यक्ष बिंदेश्वर राम ने बताया कि पुलिस मामले को दर्ज कर अज्ञात चोरों की शिनाख्त करने में जुट गयी है।

मां-बेटे की पिटाई, पांच पर केस दर्ज

डुमरांव। नया भोजपुर ओपी थाना क्षेत्र के स्थानीय गांव में मामूली विवाद को लेकर मां-बेटे की पिटाई किये जाने का मामला प्रकाश के आया है। इस मामले में नया भोजपुर के रहने वाले लूटन यादव की पत्नी कांति देवी ने तीन नामजद सहित दो अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। पुलिस मामले को दर्ज कर अनुसंधान में जुट गयी है। पीड़िता ने पुलिस को दिये गये आवेदन में बताया है कि भोजपुर जिले स्थित बिहियां के बिजेंद्र यादव, सुशील यादव और आरा बड़हरा के रहने वाला जितेश यादव सहित अन्य लोग मेरे घर पर आकर मारपीट करने लगे। इसी दौरान मेरे बेटे की भी पिटाई कर दी तथा घर मे रखे गये चार हजार नगद रुपये के अलावे बेटे के गले से सोने के लॉकेट छीन भाग गये। अगल-बगल के लोगों के आने के बाद मेरी जान बची। मारपीट के दौरान मैं और मेरा बेटा जख्मी हो गया। ओपी पुलिस ने बताया कि पुलिस इस मामले में पीड़िता का बयान दर्ज कर जांच-पड़ताल शुरू कर दी है।

सर्वे और ड्यू लिस्ट का काम पूरा होते ही जिले में शुरू होगा खसरा-रुबेला का टीकाकरण

केटी न्यूज/बक्सर

- डीआईओ ने सभी प्रखंडों से की ड्यू लिस्ट तलब
- गंभीर बीमारी, तेज बुखार और गर्भावस्था में यह टीका नहीं लगाया जाता

जिले में खसरा और रुबेला के लिए जिले में सर्वे का काम लगभग पूरा हो चुका है। इसके लिए जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी ने जिले के सभी प्रखंडों से सर्वे की रिपोर्ट और ड्यू लिस्ट तलब की है। जिसके बाद प्रखंडों में सर्वे को पूरा करने के लिए जोरशोर से काम किया जा रहा है। ताकि, 15 जनवरी से पूर्व सर्वे लिस्ट मुख्यालय को भेजी जा सके। इस क्रम में जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ. राज किशोर सिंह ने बताया, सर्वे के बाद जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर शिविर आयोजित कर टीकाकृत किया जाएगा। लेकिन, उसके पूर्व टीका से वंचित पांच साल से कम बच्चों का सर्वे किया जा रहा है। 10 जनवरी तक सर्वे का कार्य पूरा कर लेना है। वहीं, 16 जनवरी को सर्वे की रिपोर्ट राज्य सरकार को भेजनी है। वहीं, सर्वे के बाद टीका से वंचित सभी बच्चों को 31 जनवरी तक टीकाकरण भी कर देना है। जिन इलाकों में खसरा-रुबैला संक्रमित बच्चों में 9 माह से नीचे के बच्चों का 10 फीसदी अथवा उससे अधिक मामले पाए जाएंगे, उन क्षेत्रों में 6 माह से 9 माह तक के सभी बच्चों को खसरा-रुबैला का एक टीका आउटब्रेक रिस्पांस इम्यूनाइजेशन के अंतर्गत दिया जाएगा।

कुपोषित बच्चों को भी यह टीका लगाना है : यूनिसेफ की एसएमसी शगुफ्ता जमील ने बताया, खसरा

आशा कार्यकर्ताओं को जानकारी देते सदर बीसीएम प्रिंस कुमार सिंह

वायरस जनित जानलेवा रोग है। इसमें बुखार, खांसी, जुकाम, आंखें लाल होना आदि लक्षण दिखते हैं। खसरे के चकते बुखार आने के दो दिन बाद दिखते हैं। इसमें डायरिया, निमोनिया, मस्तिष्क की सूजन जैसी जटिलताएं भी हो सकती हैं। कुपोषित बच्चों को भी यह टीका लगाना है। इस प्रकार के बच्चों में संक्रमण की संभावना ज्यादा होती है। किसी भी प्रकार की गंभीर बीमारी, तेज बुखार और गर्भावस्था में यह टीका नहीं लगाया जाता है। उन्होंने बताया कि गर्भवती महिलाओं में रुबेला रोग होने से जन्मजात रुबेला सिन्ड्रोम हो सकता है। जो गर्भस्थ भ्रूण व नवजात शिशु के लिए बेहद गंभीर हो सकता है। रुबेला से गर्भवती माताओं के गर्भपात , नवजात की मौत, नवजात को जन्मजात बीमारी का खतरा रहता है, अगर जन्म ले भी लेता है, तो उसका जीवन भी परेशानियों से भरा होता है।

पहली खुराक की कवरेज में हुई बढ़होतरी : अमेरिका संस्था सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रीवेंशन (सीडीसी) की एक रिपोर्ट के अनुसार 2017-2021 के दौरान भारत में खसरा के मामलों में 62 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है, जबकि रूबेला के मामलों में भी 48 फीसद तक कमी देखने को मिली है। जिसे शून्य करने के लिए अभी भी काम किए जाने हैं। सीडीसी की रिपोर्ट के अनुसार खसरा और रुबेला युक्त टीके की पहली खुराक की कवरेज भी अच्छी खासी बढ़ी है, जो पहले के 68 फीसद की बजाय 2021 में 89 प्रतिशत पहुंच गई।

जमीन के मुआवजे को ले पिछले तीन महीने से आंदोलनरत हैं किसान

आक्रोश: चौसा में उग्र किसानों ने थर्मल पॉवर प्लांट में की तालाबंदी, पूरे दिन डटे रहे किसान

- किसानों के तेवर देख पुलिस प्रशासन ने बरता एहतियात
- आंदोलनकारियों ने लगाया आरोप, प्रशासन नहीं ले रहा सुधि

केटी न्यूज/डुमरांव

पॉवर प्लांट के मुख्य गेट पर तालाबंदी के बाद धरना पर बैठे किसान

चौसा के एसजेवीएन थर्मल पॉवर प्लांट के रेलवे लाईन बिछाने व पेयजल के पाइप के लिए किए गए जमीन अधिग्रहण का उचित मुआबजा नहीं मिलने तथा किसानों के प्रति प्रशासनिक उदासीनता से नाराज भूधारियों का आंदोलन अब उग्र हो गया है। मंगलवार को भू धारी किसानों ने थर्मल पॉवर प्लांट के मुख्य गेट में ताला जड़ दिया। जिस वक्त किसानों ने मुख्य गेट में ताला जड़ा था उस समय दैनिक मजदूर अभी बाहर ही थे। सुबह-सुबह हुई तालाबंदी के बाद मजदूरों को पूरे दिन बाहर बैठना पड़ा। इधर शाम पांच बजे तक किसानों ने तालाबंदी कर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान वे अपने जमीन का उचित मुआबजा देने तथा प्रशासन पर भेदभाव का आरोप लगा रहे थे।

पूरे दिन ठप हुआ काम

किसानों के उग्र आंदोलन के कारण थर्मल पॉवर का काम पूरे दिन ठप रहा। किसानों द्वारा मुख्य गेट में ताला जड़ तथा धरना दिए जाने से दैनिक मजदूर चाहकर भी कंपनी के अंदर नहीं जा सके। जिस कारण कंपनी का काम ठप रहा। किसानों की मानें तो बुधवार को भी फिर से तालाबंदी किया जाएगा। किसानों ने कहा कि जबतक उनकी जमीन का उचित मुआबजा नहीं मिलता है तबतक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

मूकदर्शक बनी रही पुलिस

किसानों द्वारा एसजेवीएन थर्मल पॉवर प्लांट में तालाबंदी किए जाने की सूचना पर बक्सर के अपर अनुमंडल पदाधिकारी दीपक कुमार के साथ ही कई अन्य पदाधिकारियों व पुलिस टीम को भेजा गया था। लेकिन पुलिस को जो फिडबैक मिला था उसके बाद पुलिस टीम काफी एहतियात बरत रही थी। यही कारण है कि पूरे दिन चले किसानों के आंदोलन के दौरान पुलिस प्रशासन की भूमिका सिर्फ मूकदर्शक की बनी रही।

हड़ताली किसानों का कहना है कि वे अपना हक मांग रहे है। जबकि कंपनी प्रबंधन स्थानीय प्रशासन व पुलिस के बल पर उनकी आवाज को दबाना चाहता है। इसके पहले धरना दे रहे किसानों को पुलिस द्वारा खदेड़ा भी गया था। जबकि पिछले महीने ही किसानों में इस जगह पर किसान महापंचायत का आयोजन कर एसजेवीएन कंपनी व स्थानीय प्रशासन को अधिग्रहित जमीन का उचित मुआबजा देने के लिए कुछ दिनों का समय दिया था। महापंचायत के दौरान यह तय हुआ था कि जनवरी के पहले सप्ताह में यदि उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो किसान फिर से आंदोलन करेंगे। लेकिन इस अवधि तक किसानों की बातों पर कंपनी तथा प्रशासन ने ध्यान नहीं दिया। अलब्बता उनकी जमीन पर निर्माण कार्य जारी रहा। जिससे नाराज किसान एक बार फिर से उग्र हो गए है। किसानों के तेवर देख वहा मौजूद पुलिस व प्रशासन के अधिकारी भी संयम से काम ले रहे थे। वही जानकारों की मानें तो पिछले दिन पुलिस द्वारा किसानों को हटाए जाने से किसान काफी नाराज थे और इस बार किसान सीधे पुलिस से भीड़ने के मूड में भी थे। मामले को भांप पुलिस प्रशासन ने काफी एहतियात बरती।

एक नजर

प्रशिक्षण के लिए केसठ के 30 किसान रवाना

केसठ। प्रखंड के किसान अब मशरूम उत्पादन के नई तकनीकी से रू-ब-रू हो रहे है। कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंध अभिकरण 'आत्मा' द्वारा किसानों को मशरूम उत्पादन की बारीकियों को समझाने के लिए एक दिवसीय परिभ्रमण पर मशरूम उत्पादन केन्द्र कोचस भेजा गया है। प्रखंड के विभिन्न गांवों से चयनित कुल 30 किसानों का जत्था मंगलवार को सुबह कोचस के लिए रवाना हुआ। यह जत्था कोचस के राजीव रंजन मेंसर्स विभु मशरूम केंद्र कोचस में जाकर मशरूम उत्पादन के विभिन्न पहलुओं की जानकारी लेगा। जिसमें क्षेत्र के महिला पुरुष किसानों ने भाग लिया है। जहां किसानों के बीच मशरूम उत्पादन पर विस्तार से चर्चा की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार किसानों को बताया गया कि गेहूं के भूसा को 8 से 10 घंटा तक पानी में भिगोकर रखा जाता है फिर हल्के गुनगुने पानी से उपचारित कर उसमें मशरूम का उत्पादन होता हैं। मशरूम के लिए हवादार छायादार घर होना आवश्यक है। जहां रोशनी की भी व्यवस्था हो। इस तरह से किसानों को मशरूम के बारे में विभिन्न तरह की जानकारियां दी गई। तथा वहां के उत्पादन शील जगहों पर किसानों को भ्रमण भी कराया गया। ताकि किसान मशरूम से संबंधित पूर्ण रूप से जानकार हो सके। मौके पर प्रभारी बीटीएम डॉ प्रफुल्ल, लेखापाल प्रफुल कुमार सहित प्रशिक्षु किसान मौजूद रहे।

स्थापना दिवस पर खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित

नावानगर। स्थानीय प्रखंड के वैना पंचायत अंतर्गत चनवथ गांव में डॉ. अनिता मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट के चौथा स्थापना दिवस पर मंगलवार को खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन वैना पंचायत के मुखिया पंकज मेहता एवं जनता कॉलेज के प्राचार्य रामबचन सिंह द्वारा संयुक्त रुप से किया गया। खेलकूद प्रतियोगिता में 200 मीटर दौड़, साइकिल दौड़, गणित दौड़, कबड्डी, चित्रकला भाषण समेत कई खेलों को बालक एवं बालिका वर्ग में बांटकर कराया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष सह निदेशक उमाशंकर सिंह ने बताया कि 200 मीटर बालिका दौड़ में खुशी कुमारी प्रथम, रोशनी को द्वितीय तथा खुशबू कुमारी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं, 200 मीटर दौड़ में बालक वर्ग में रोशन को पहले, बाबू धन कुमार दूसरे स्थान पर रहे। जबकि गणित दौड़ में संगम कुमारी, साइकिल दौड़ में मुन्नी कुमारी, को क्विज में सूरज कुमार प्रथम स्थान पर रहे। अव्वल प्रतिभागी को ट्रस्ट की ओर से पुरस्कृत किया गया। इधर पुरस्कार पाकर छात्र-छात्रा काफी खुश थे। मौके पर भाई जवान सिंह कुशवाहा, अनंत सिंह समेत अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे। आयोजक सह ट्रस्ट के अध्यक्ष उमाशंकर सिंह ने बताया कि वे प्रत्येक साल स्थापना दिवस पर ऐसी प्रतियोगिता का आयोजन कर ग्रामीण प्रतिभाओं को अपना कौशल निखारने का एक बेहतरीन मंच देते है। कहा कि खेलकूद से छात्र-छात्राओं के दिमाग से पढ़ाई का बोझ थोड़ा कम होता है। साथ ही, इसके माध्यम से उनका मानसिक और शरीरिक विकास होता है। खेलकूद के नियम उन्हें जीवन में टीम के साथ मिलकर काम करने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले प्रतिभागियों के कौशल की सराहना भी की।

इंटर कॉलेज की छात्रा ने किया नाम रौशन

डुमरांव। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार से संबद्धता प्राप्त नेहरू युवा केंद्र, बक्सर द्वारा आयोजित कार्यक्रम नेताजी सुभाष चंद्र बोस दिवस के अवसर पर संसद में वक्ता के रूप में प्रतिभागी चयन के तहत बक्सर जिला से प्रतिभागियों का चयन किया गया था, जिसमें प्रथम स्थान आकृति कुमारी, नेहरू युवा विकास समिति, डुमरांव के सदस्य, द्वितीय स्थान- नीलक्षी कुमारी तथा तृतीय स्थान विद्यासागर का रहा था। जिसमें आकृति कुमारी ने मंगलवार को राज्य स्तर पर वेबीनार के माध्यम से भाग ली इसमें पूरे बिहार से युवाओं को चुनने के बाद नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जन्म दिवस के अवसर पर संसद में वक्ता के रूप में भाग लेने का मौका मिलेगा। आकृति को जिला स्तर पर जीतने के लिए कई लोगों ने बधाई दी और राज्य स्तर पर चुनने के लिए आशीर्वाद दिए, जिसमें इंटर कॉलेज, डुमरांव के प्राचार्य सुमन चतुर्वेदी, भूगोल विभाग के प्रवक्ता डॉ संजय कुमार सिंह, पूजा चतुर्वेदी, नीतू सिन्हा, मनोरंजन कुमार त्रिपाठी के अलावा अनेकों लोगों ने बधाइयां दी है।

बीएमपी कैंप के गुमटीनुमा दुकान में चोरी, हजारों रुपए के सामान ले उड़े चोर

केटी न्यूज/डुमरांव

- लगातार चोरी की घटनाओं से सहमें है हरियाणा फार्म इलाके के दुकानदार

हरियाणा फार्म परिसर में बीएमपी-फोर के संचालित होने के बावजूद आस पास के इलाके में चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही है। बीती रात चोरों ने बीएमपी कैंप परिसर तथा अंबेदक चौक के बीच सड़क किनारे गुमटीनुमा दुकान में किराना, मिठाई व पार्चून के सामान बेचने वाले एक दुकानदार की गुमटी तोड़ सारे सामानों की चोरी कर ली है।

सुबह में जब दुकानदार गुमटी खोलने पहुंचा तो टूटा ताला देख उसे चोरी की बात समझ में आई। तब उसने स्थानीय पुलिस को इस घटना की सूचना दी। पुलिस को दिए आवेदन में पीड़ित ने बताया है कि चोरों ने उसके दुकान का ताला तोड़ उसमें रखे, पेड़ा, अन्य मिठाई, खोवा, पार्चून व किराना के सामान तथा एक भरा हुआ घरेलु रसोई गैस सिलेंडर की चोरी कर ली है। पीड़ित दुकान चतुरशालंगज का रहने वाले सत्येन्द्र कुमार सिंह की मानें तो चोरों ने रात के अंधेरे में इस चोरी की घटना को अंजाम दिया है। उन्होंने बताया कि चोरों द्वारा हजारों रूपए के सामान की चोरी की गई है। चोरी की इस घटना के बाद दुकानदार काफी मायूश है। गौरतलब है कि हरियाणा फार्म के इलाके में आए दिन गुमटीनुमा दुकानों में चोरी की घटनाएं सामने आते ही। वैसे भी सर्द रातों में चोरी की घटनाएं बढ़ जाती है। लेकिन बीएमपी-फोर कैंप के करीब चोरी की वारदात से कई सवाल खड़े हो रहे है। हालांकि जानकारों का मानना है कि चोरी की ये घटनाएं नशे की लत पूरी करने के लिए अंजाम दी जा रही हैं।

सफलता: डेढ़ लाख रुपए के साथ सीएसपी संचालक से लूटकांड के दोनों अपराधी गिरफ्तार

- प्रेस वार्ता में एसपी ने दी जानकारी डुमरांव के हैं दोनों लूटेरे, स्वीकारी संलिप्तता

केटी न्यूज/बक्सर

गिरफ्तार लूटेरों के साथ मामले का खुलासा करते एसपी व अन्य

गुरुवार की शाम कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के चौकियां गांव के पास बैंक ऑफ बड़ौदा के सीएसपी संचालक उमाशंकर सिंह से हथियार के बल पर पांच लाख 80 हजार रुपए लूटने वाले दो अपराधियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उनके पास से लूट के डेढ़ लाख रूपए भी बरामद हुए है। पकड़े गए दोनों लूटेरे डुमरांव के रहने वाले है।

एसपी मनीष कुमार ने मंगलवार को प्रेस वार्ता आयोजित कर इसकी जानकारी दी है। बता दें कि 5 जनवरी को कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के चौकिया गांव के समीप एक ब्लू रंग की अपाची बाइक पर सवार तीन की संख्या में लूटेरों ने डुमरांव के बैंक ऑफ बड़ौदा से रुपए लेकर अपने गांव महुआर जा रहे उमाशंकर सिंह को गन प्वाइंट पर लूट लिया था। इनमें से दो की गिरफ्तारी हो गई है। इनका नाम भरत कुमार यादव पुत्र विजय यादव ग्राम नथुनी का डेरा तथा दूसरा विश्वास माली उर्फ रमेश कुमार पुत्र लालबाबू माली छठिया पोखरा, दोनों थाना डुमरांव। इन दोनों को आज मंगलवार के दिन पुलिस ने मीडिया के सामने प्रस्तुत किया। पीसी के दौरान एसपी मनीष कुमार ने बताया कि इनके पास से एक लाख 45 हजार रुपये और लूट में इस्तेमाल की गई बाइक और दो फोन बरामद हुए हैं। फिलहाल इनका तीसरा साथी फरार है। उसकी तलाश जारी है। पुलिस ने उसका नाम और पता भी गोपनीय रखा है। जिससे उसे दबोचने में आसानी हो। बकौल एसपी इस अभियान का नेतृत्व सहायक पुलिस अधीक्षक राज एवं थानाध्यक्ष कृष्णाब्रह्म, नावानगर व डीआईयू टीम कर रही थी।

इटाढ़ी के चमिला में आयोजित हुआ है श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह

भक्ति की शक्ति से परमात्मा भी बन जाते हैं दास: स्वामी प्रेमाचार्य

- चौथे दिन स्वामी जी ने बताई भक्ति की महिमा

केटी न्यूज/बक्सर

स्वामी प्रेमाचार्य पीतांबर जी महाराज का आशीर्वाद लेते श्रद्धालु

भक्ति में बहुत शक्ति होती है। भक्ति के प्रभाव में आ परमात्मा भी दास बन जाते है। लेकिन इसके लिए भक्त के अंदर भी समर्पण व आत्म शुद्धता की भावना होनी चाहिए। उक्त बातें इटाढ़ी प्रखंड के चमिला गांव में चल रहे श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह के चौथे दिन प्रवचन के दौरान ब्यास पीठाधीश्वर स्वामी प्रेमाचार्य पीतांबर जी महाराज ने कही है। उन्होंने कहा कि हमारी वास्तविक शक्ति प्रभु की भक्ति में है।

स्वामी जी महाराज ने कहा कि कि जीव जब सिर्फ श्रीहरि के चरण कमल का सहारा लेता है तो वह भवसागर से पार हो जाता हैं। उसकी नैया डूबती नहीं है, उसे हमारे प्रभु उबार लेते हैं। स्वामी जी महारा ने गजेंद्र मोक्ष की कथा का वर्णन करते हुए कहा कि जब ग्राह ने गजेन्द्र को पकड़ा था तब उसने श्रीहरि का स्मरण किया। उसके स्मरण करने से श्रीहरि आए और सुदर्शन चक्र से ग्राह का मस्तक धड़ से अलग कर दिया। श्रीहरि ने गज से पहले ग्राह का उद्धार किया। उन्होंने बताया कि विपत्ति के समय धैर्यवान व्यक्ति का परम कर्तव्य है कि वह अपने शत्रु से भी मित्रता कर लें। हम जानते हैं कि देवताओं ने ही सर्वप्रथम सागर मंथन का प्रस्ताव रखा था जिसे दैत्यों ने स्वीकार कर लिया था। मंथन में सर्वप्रथम जहर निकला, जिसे भोलेनाथ ने अपने कंठ में धारण किया और नीलकंठ हो गए।

कथा के चौथे दिन सोमवार को स्वामी जी ने भक्ति की महिमा बताते हुए कहा कि भक्ति में ही शक्ति है जो परमात्मा को सेवक बना देती है। सनातन संस्कृति पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि सनातन धर्म में जैसा विंब होगा, वैसा ही प्रतिबिंब होगा। कथा क्रम में आज उन्होंने अनेक प्रेरक प्रसंगों पर प्रकाश डालते हुए भगवान श्री कृष्ण के जन्मोत्सव की कथा श्रवण कराकर समुपस्थित भक्तों को निहाल कर दिया। इस अवसर पर भगवान की मनोहर झांकी प्रस्तुत कर श्रीकृष्ण जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। ब्रज में हो रही जय-जयकार, नंद के घर लाला आयो है, गोविंद मेरो है गोपाल मेरो है, जैसे भजनों पर समुपस्थित श्रद्धालुजन आत्मविभोर होकर थिरकते दिखाई दिए। श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह के आयोजन से गांव का माहौल भक्तिमय बना हुआ है। वही आस पास के गांवो के श्रद्धालु भी यहां भागवत कथा का श्रवण करने पहुंच रहे है।

छोटी खबरें

हादसे में दो युवकों की दर्दनाक मौत

बलिया। सिकंदरपुर-बेल्थरारोड मार्ग पर उभांव थाना क्षेत्र के हल्दीरामपुर (पनीसरा) गांव के करीब सोमवार देर रात बाइक सवार तीन युवकों की ट्रक से टक्कर हो गई। जिसमें दो युवकों की मौत हो गई। सूचना मिलते ही एसएचओ उभांव राजीव कुमार मिश्र सीएचसी सीयर पहुंचे। दोनों युवकों के शव को कब्जे में लेकर पोस्मार्टम के लिए भेज दिया। डॉक्टर ने एक युवक की गम्भीर स्थिती को देखते जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। हल्दीरामपुर गांव के कटहल बारी निवासी शिवम सैनी (20) पुत्र रामसेवक सैनी, अंकित सैनी (19) पुत्र लोकनाथ सैनी, अमर सैनी (24) पुत्र हरिनारायण माली एक बाइक से माल्दह चट्टी गए हुए थे। वहां से वापस से अपने घर वापस लौटते पनीसरा के करीब पहुंचे थे की बेल्थरारोड की ओर से जा रहे ट्रक से बाइक की आमने सामने टक्कर हो गई। इससे तीनों युवक गम्भीर रूप घायल हो गए। जिसमें ने शिवम और अंकित को मृत घोषित कर दिया।

दुर्घटना में मिठाई विक्रेता की मौत

गाजीपुर। सैदपुर तहसील अंतर्गत स्थानीय बाजार में बीती रात घर जाते समय मिठाई विक्रेता की बाइक विद्युत पोल से टकरा गई। जिसमें उसकी मौत हो गई। बता दें कि मिठाई व्यवसायी भोलानाथ मोदनवाल (55) पुत्र स्व. प्रेमचंद मोदनवाल निवासी वार्ड नम्बर 13 सैदपुर जो अपनी दुकान बंद कर रात में घर जा रहे थे। कोहरे के चलते उनकी बाइक बिजली की पोल से टकरा गई। वह गंभीर रुप से घायल हो गए। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस शव को कब?जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उधर मौत के बाद मिठाई विक्रेता के घर दुरूखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

युवक ने फांसी लगाकर दी जान

बलिया। उभांव थाना क्षेत्र अन्तर्गत सोनाडीह मार्ग पर बंगाल निवासी आर्केस्ट्रा में काम करने वाला मोती (25) पुत्र अहद अली नामक युवक सोमवार की देर शाम लगभग साढ़े 7 बजे गमछे का फंदा बनाकर अपनी जीवन इहलीला समाप्त कर लिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम हेतु बलिया भेज दिया। सम्बन्ध में उभांव इंस्पेक्टर राजीव कुमार मिश्र ने इस घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि रोजी रोटी के लिए आर्केस्ट्रा में नाचने गाने हेतु पश्चिम बंगाल कोलकाता निवासी पति- पत्नी रेलवे ढाला सोनाडीह मार्ग पर एक मकान में किराए पर रहते है। उन्होंने बताया कि मृतक की पत्नी यास्मीन पुत्री मिकाइल मीर, मोहल्ला पहाड़पुर थाना महेश तल्ला, कोलकाता द्वारा दी गयी तहरीर के अनुसार उसका पति गांजा तथा शराब पीने का आदी था। उसकी तबीयत खराब चल रही थी।

चतुर्थ दीक्षांत समारोह में छात्र-छात्राओं ने नृत्य गीत से बिखेरी सांस्कृतिक छटा

- सांस्कृतिक संध्या पर विद्यार्थियों ने बांधा समां

केटी न्यूज/ बलिया

नाटक प्रस्तुत करती छात्राएं

कार्यक्रम में डांस प्रस्तुत करती छात्राए

जननायक चन्द्र शेखर विश्वविद्यालय के चतुर्थ दीक्षांत समारोह के अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक संध्या कुलपति प्रोफेसर कल्पलता पांडेय की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इस कार्यक्रम में विभिन्न महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालय परिसर से कुल 13 कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसमें गीत, गजल, नृत्य, नाटक, मूक अभिनय, कव्वाली, नृत्य नाटक आदि प्रस्तुत किये गये ।कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना से हुआ।

इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर कल्पलता पांडेय ने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों में उनकी सृजनात्मक प्रतिभा को दशार्ते हैं। हमारे बलिया में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। आवश्यकता उन्हें निकालने और दशार्ने की है ।उन्होंने कहा कि विगत 3 वर्षों में सांस्कृतिक कार्यक्रमों में छात्रों ने जिस प्रतिभा का प्रदर्शन किया है वह निश्चित रूप से सराहनीय है । उन्हें अवसर देकर एक बड़ा फलक उपलब्ध कराने की आवश्यकता है। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय परिसर के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. पुष्पा मिश्रा, डॉ. प्रियंका सिंह, प्राध्यापक गण, महाविद्यालयों के प्राचार्य, संकायाध्यक्ष, अन्य अध्यापकगण, कर्मचारी व छात्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर संतोष सिंह ने किया। स्वागत भाषण प्रोफेसर निवेदिता श्रीवास्तव, संयोजिका सांस्कृतिक समिति एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर निशा राघव, सह संयोजिका सांस्कृतिक समिति जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय ने किया।

पुरानी पेंशन नीति लागू करने के लिए चरणबद्ध ढंग से आंदोलन करेगा महासंघ

केंद्र व राज्य सरकार पुरानी पेंशन नीति बहाली को लेकर तैयार नहीं तो होगा आंदोलन: बालेंद्र

- जिला पंचायत सभागार में ऐतिहासिक कार्यक्रम का होगा आयोजन
- मांगे पूरी नहीं होने की स्थिति में कर्मचारियों ने दी सड़क पर उतरने की चेतावनी

केटी न्यूज/गाजीपुर

कार्यक्रम तैयारी के लिए जुटे महासंघ के सदस्य

महासंघ के प्रान्तीय अध्यक्ष रामलाल यादव का आगमन शुक्रवार को जिला पंचायत सभागार में हो रहा है। जिसे लेकर पदाधिकारी अपनी तैयारियां पूरी कर चुके हैं। जिला इकाई का चुनाव और पुनर्गठन भी किया जाना है। कार्यक्रम के संबंध में जिला संयोजक बालेन्द्र त्रिपाठी ने बताया कि जिला पंचायत सभागार में ऐतिहासिक कार्यक्रम आयोजित होगा। जिसमें हजारों कर्मचारियों की उपस्थिति होगी। कार्यक्रम में पूर्व और निवर्तमान पदाधिकारियों को भी आमंत्रित किया गया है।

मंगलवार को भी विभिन्न कार्यालयों का भ्रमण के दौरान कर्मचारियों को बताया जा रहा है कि केन्द्र और राज्य सरकार पुरानी पेंशन नीति बहाली को तैयार नहीं है। कर्मचारी अपने अधिकारों के लिए सचेत हो, पुरानी पेंशन नीति लागू करने की मांग को लेकर चरणबद्ध ढंग से आन्दोलन चलाया जाएगा। 2023 में पुरानी पेंशन बहाली की जोरदार मांग की जाएगी, आवश्यकता पड़ेगी तो कर्मचारी सड़क पर भी उतरने को मजबूर होंगे। जिला पंचायत सभागार में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचने की अपील करते हुए कहा कि सरकार ने कर्मचारियों पर थोपी एनपीएस थोपकर गलत किया है। कर्मचारी पर जिम्मेदारियां पहले से अधिक बढ़ी है, लेकिन अधिकार लगातार छीने जा रहे हैं।

बिना आंदोलन नहीं हासिल होता अधिकार : बुढ़ापे की लाठी पेंशन का लाभ हासिल करने के लिए बिना आंदोलन हासिल नहीं होगा। कर्मचारियों को जागरूक करते हुए बताया जा रहा है कि केन्द्र और राज्य सरकार पुरानी पेंशन नीति बहाली को तैयार नहीं है। कर्मचारी अपने अधिकारों के लिए सचेत हो, पुरानी पेंशन नीति लागू करने की मांग को लेकर चरणबद्ध ढंग से आन्दोलन चलाया जाएगा। 2023 में पुरानी पेंशन बहाली की जोरदार मांग की जाएगी, आवश्यकता पड़ेगी तो कर्मचारी सड़क पर भी उतरने को मजबूर होंगे।

मठाधीशों की कुर्सी पर खतरा : महासंघ के पुनः सक्रिय होते ही अन्य संगठनों में उपेक्षित कर्मचारी अपने लिए महासंघ में घर तलाश रहे हैं। उधर राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के दोनों गुटों में बीते कई सालों से कुर्सी पर जमे मठाधीशों को अपनी कुर्सी जाती हुई नजर आ रही है। मालूम हो कि जिले में कर्मचारी संगठनों और शिक्षकों की संख्या 25 हजार से अधिक है। स्व. डीएन लिए सिंह के समय में अधिकांश कर्मचारी एकजुट हो गए थे। जिससे अधिकारियों में भी दहशत होता था।

यह होंगे मुख्य अतिथि : महासंघ सूप्रीमो रामलाल यादव के अतिरिक्त पदम्नाथ द्विवेदी, उमेश चन्द्र श्रीवास्तव, गौरव सिंह के अलावा अन्य प्रदेश के पदाधिकारी अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे।

विधायक और सांसद खुद पुरानी पेंशन ले रहे हैं, नई पेंशन स्कीम क्यों नहीं लेते जनप्रतिनिधि

जनप्रतिनिधियों को नई पेंशन स्कीम इतनी ही अच्छी लग रही है तो अपने ऊपर लागू कर लें। विधायक और सांसद खुद पुरानी पेंशन रहे हैं। कर्मचारियों पर नई पेंशन स्कीम थोपी गई है। जब तक मांगें पूरी नहीं होगी वे पीछे नहीं हटेंगे। राजस्थान, छत्तीसगढ़, झारखंड व पंजाब में पुरानी पेंशन नीति बहाल हो चुकी है। राज्य कर्मचारीयों को केन्द्र की भांति भत्ते, पंडित दीन दयाल उपाध्याय कैसलेश सुविधा, बाबुओं का वेतन विसंगति दूर करने, रसोईया को राज्य कर्मचारी का दर्जा देने, संविदा कर्मियों को समायोजित करने, आशा बहुओं, पीआरडी, आगनबाड़ी, ग्रामीण चौकीदार, आदि को न्यूनतम 24000 एवं राज्य कर्मचारी का दर्जा देने के साथ ही चतुर्थ श्रेणी की नियुक्ति खोलने की मांगों को लेकर कार्यक्रम में मंथन किया जाएगा।

एक नजर

गोपाल राम हत्याकांड में पांच गिरफ्तार, दो फरार

बलिया। सोमवार की सुबह फेफना थाना क्षेत्र के मिड्ढा गांव के हरिजन बस्ती में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों में हुई मारपीट में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मारपीट में गोपाल राम 80 की मौत हो गई थी। जबकि उनकी बहू गौतमी पत्नी सुरेश, पोता चन्दन राम पुत्र सुरेश एवं पोती लालमुन्नी पुत्री सुरेश गंभीर रूप से घायल हो गए थे। जिनका उपचार वाराणसी चल रहा है। पुलिस ने मृतक के चचेरे पोते मोती राम के तहरीर पर सात लोगों के विरुद्ध संबंधीत धाराओं में नामजद मुकदमा दर्ज कर पांच आरोपियों को देर रात गिरफ्तार कर लिया। जबकि दो आरोपी अभी भी पुलिस की पकड़ से दूर है। तहरीर में मृतक के चचेरे पोते मोतीराम पुत्र घुरहु राम ने उल्लेख किया है कि 9 जनवरी को उसके चचेरे बाबा गोपाल राम से जमीनी विवाद को लेकर हमारे पडोसी मनोज राम, बिकाऊ राम, हलचल राम, रोहित राम, धनमुरत देवी, रम्भा देवी व सध्या देवी लाठी, डंडा, रम्मा व फावड़ा से मारने पिटने लगे। शोरगुल सुनकर चन्दन पुत्र सुरेश, गौतमी पत्नी सुरेश, लालमुत्री पुत्री सुरेश बचाने के लिए गई तो उक्त लोगो ने इन लोगों को भी मारपीट कर गम्भीर रूप से घायल कर दिया। आसपास के लोगों ने सभी घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां से तीनों की स्थिति नाजुक देख वाराणसी रेफर कर दिया गया। जहां उनका इलाज चल रहा है इस मामले में पुलिस ने बिकाऊ राम, मनोज राम, धनमूरत देवी, संध्या देवी, रंभा देवी को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि आरोपी हलचल राम एवं रोहित राम फरार चल रहे हैं।

जनपद में रोजगार मेला का आयोजन

बलिया। शासन के निदेर्शानुसार जिला सेवायोजन कार्यालय बलिया द्वारा जनपद के आकांक्षात्मक विकास खण्डों में रोजगार मेला का आयोजन किया जा रहा है। इस रोजगार मेला में तीन कम्पनिया एलएनटी बैंगलोर, याजिकी इण्डिया अहमदाबाद, जीफोरएस सिक्योरिटी दिल्ली प्रतिभाग कर रही है। अकांक्षात्मक विकास खण्ड कार्यालय पन्दह में रोजगार मेला का आयोजन किया गया। इस रोजगार मेला में मुख्य अतिथि पन्दह ब्लाक के ब्लाक प्रमुख राघवेन्द्र कुमार यदुवंशी उर्फ रिंकु तथा खण्ड विकास अधिकारी, दीपक कुमार सिंह सम्मिलित रहे। इनके द्वारा नियुक्ति पत्र का वितरण किया गया। जिला सेवायोजन अधिकारी आशुतोष प्रसाद ने बताया कि तीनों कम्पनियों में 175 युवाओ ने प्रतिभाग किया। जिसमें साक्षात्कार के माध्यम से 112 का चयन किया गया। अगला रोजगार मेला 11 जनवरी को गडवार में 12 जनवरी को हनुमानगंज, तथा 13 जनवरी को सोहाव में आयोजित होगा।

जनता की बात सरकार तक पहुंचाना जिम्मेदारी

बलिया। विधानसभा फेफना में भाजपा संगठनात्मक कार्यकताओं को मजबूत करने के उद्देश्य से पूर्व मंत्री कड़ाके की ठंड में पब्लिक के बीच निकले हैं। मंगलवार को इसीक्रम में पूर्व मंत्री ऑबिका चौधरी के गांव कपुरी में बूथ कार्यकताओं के साथ बैठक की। बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने की। पूर्व मंत्री उपेंद्र तिवारी ने संगठन के विस्तार पर चर्चा किया तथा केंद्र सरकार तथा राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने के लिए कार्यकताओं का आह्वान किया । कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास नारा दिया है हमें उसी सिद्धांत पर काम करना है। बैठक के बाद कपुरी के युवाओं ने पूर्व मंत्री का जन्मदिन मनाया। मंत्री ने केक काटा। इस दौरान मंडल अध्यक्ष मनोज सिंह सहित अंजनी राय, नंदलाल सिंह, बीरबल मिश्र, सलील गिरि, भोला ओझा, अंजनी ओझा, राजेश पांडेय, शंभूनाथ पांडेय, संजय राम, बृजेश ओझा, निर्भय राजभर आदि मौजूद थे। ग्राम प्रधान अभय वर्मा ने सभी कख आभार जताया।

रिवाल्वर व कारतूस के साथ आरोपी गिरफ्तार

गाजीपुर। सोमवार की रात पुलिस ने एक अपराधी को गिरफ्तार किया। रामपुर मांझा थाना पुलिस को यह सफलता मिली। पकड़े गए अभियुक्त के पास से सर्च के दौरान रिवाल्वर और दो जिंदा कारतूस भी बरामद हुआ। जिसके बाद उसे कागजी कार्रवाई के बाद जेल भेज दिया गया। थानाध्यक्ष संतोष कुमार रायने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस की टीम ने रामपुर मांझा थाना क्षेत्र के दुबैथा गांव निवासी अभियुक्त सुदामा चौबे उसके गांव से ही रिवाल्वर व दो कारतूस के साथ दबोचा गया। पुलिस ने अभियुक्त सुदामा चौबे के विरूद्ध संबंधित धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर थाना न्यायालय में पेश किया गया। अभियुक्त को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष संतोष कुमार राय, उपनिरीक्षक संजय कुमार सरोज (चौकी प्रभारी पैकवली) एवं पीआरवी 3153 के प्रभारी उपनिरीक्षक ध्रुवनाथ शर्मा के साथ ही मुख्य आरक्षी मदन प्रसाद, आरक्षी जितेन्द्र यादव तथा महिला आरक्षी साधना व नेहा विश्वकर्मा-पीआरवी 3153 शामिल रहीं।

16 फरवरी से चार मार्च तक होगी 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षा

केटी न्यूज/गाजीपुर

यूपी बोर्ड परीक्षा की तैयारी युद्ध स्तर पर चल रही थी। इसी बीच उच्च शिक्षा मंत्री गुलाब देवी ने बोर्ड परीक्षा की तारीखों का ऐलान करते हुए स्टूडेंट्स को शुभकामनाएं दीं। हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के एग्जाम दो शिफ्ट में करवाए जाएंगे। इसके लिए समय भी बताया गया है। तिथि घोषित होते ही अब परीक्षार्थी परीक्षा के मूड से तैयारी करने में जुट गए हैं। यूपी बोर्ड की ऑफिशियल वेबसाइट upmsp.edu.in पर जाकर UP Board Exam Time Table को चेक किया जा सकता है। यूपी बोर्ड 10वीं व 12वीं की परीक्षा 2023 में 55 लाख स्टूडेंट्स के हिस्सा लेने की उम्मीद है। उत्तर प्रदेश मैट्रिक एग्जाम और इंटरमीडिएट एग्जाम की शुरूआत एक साथ होगी।

बोर्ड के जारी टाइमटेबल के अनुसार हाईस्कूल की पहला एग्जाम हिंदी का होगा, जबकि आखिरी एग्जाम सामाजिक विज्ञान का होगा। 10वीं क्लास का आखिरी एग्जाम 3 मार्च को करवाया जाएगा। वहीं, अगर 12वीं क्लास की बात करें, तो इसका पहला एग्जाम सैन्य विज्ञान का होगा, जबकि 4 मार्च को आखिरी एग्जाम आयोजित होगा, जो फल एवं खाद्य संरक्षण जैसे विविध विषयों का होगा।

एमपी-एमएलए कोर्ट में फिजिकली उपस्थित नहीं हुए मुख्तार अंसारी, केवल बृजेश सिंह पहुंचे कोर्ट

केटी न्यूज/गाजीपुर

जनपद के मोहम्मदाबाद कोतवाली अंतर्गत चर्चित उसरी चट्टी गोलीकांड में एमपी- एमएलए कोर्ट में मंगलवार को गवाह के तौर पर बाहुबली मुख्तार अंसारी तथा हमलावर के तौर पर बाहुबली बृजेश सिंह की पेशी होनी थी। लेकिन मौसम खराब होने के कारण बाहुबली मुख्तार अंसारी बांदा जेल से कोर्ट में पहुंचे। बता दें कि एमपी-एमएलए कोर्ट में माफिया मुख्तार अंसारी को 10 जनवरी यानी मंगलवार को फिजिकली तौर पर पेश होना था, लेकिन बांदा जेल में बंद मुख्तार अंसारी मौसम खराब होने के कारण गाजीपुर एमपी एमएलए कोर्ट में नहीं उपस्थित हुए। ज्ञात हो कि 15 जुलाई 2001 में मोहम्मदाबाद के उसरी चट्टी पर मऊ जा रहे माफिया मुख्तार अंसारी के काफिले पर हमला हुआ था। जिसमें मुख्तार अंसारी के गनर और एक अन्य साथी की मौत हुई थी और कई लोग घायल हो गए थे। मामले में मुख्तार अंसारी ने चर्चित उसरी कांड में माफिया बृजेश सिंह को मुख्य आरोपी बनाया है। उसी मामले में मुख्य गवाह मुख्तार अंसारी की गवाही के लिए एमपी एमएलए की कोर्ट ने फिजिकल के तौर पर पेश होने का आदेश था। जिसको लेकर एक दिन पहले डीएम एसपी खुद कचहरी परिसर में भारी फोर्स के साथ सुरक्षा को लेकर जायजा लिया था। फिलहाल मामले में एसपी ओमवीर सिंह ने बताया कि कल मुख्तार अंसारी की उसरी चट्टी कांड के मामले में पेशी को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। उन्होंने कहा कि न्यायालय परिसर समेत आसपास के इलाकों में सुरक्षा को लेकर कड़ी निगरानी की गई थी।

मकर संक्रांति को लेकर अभी से दूध व दही बढ़ी डीमांड, चिउरा-तिलकुट की हो रही जमकर खरीदारी

बाजारों में उमड़ी ग्राहकों की भीड़, 15 को मनाया जाएगा संक्रांति का पर्व

- इस बार मकर संक्रांति को लेकर दिखाई दे रहा महंगाई का असर

केटी न्यूज/बलिया

खरीदारी करते ग्राहक

मकर संक्रांति का पर्व 15 जनवरी रविवार को मनाया जा रहा है। इसको लेकर मंगलवार को बाजारों में ग्राहकों की भीड़ बढ़नी शुरू हो गयी है। शहर के हृदयस्थली चौक बाजार में चिउरा, तिलवा, गुड़ व पटौरा आदि की सजी दुकानों पर दोपहर में कस्बा व देहात से पहुंचे ग्राहक मोल-भाव के साथ खरीदारी में जुटे रहे। दोपहर में चौक बाजार में तिल रखने की जगह नहीं थी। मकर संक्रांति को लेकर दूध और दही की डिमांड बढ़ गयी है। इसके चलते दूधिए भी दूध का रेट 40 से 45 रुपये किलो तक कर दिए हैं।

लोग मकर संक्रांति से पहले ही दूध लेकर दही जमाने का कार्य शुरू कर दिए हैं। वहीं युवाओं की पसंद ब्रांडेड कम्पनियों की दही पहली पसंद बन रही है। मकर संक्रांति पर्व को लेकर जबरदस्त उत्साह दिखाई दे रहा है। हालांकि इस पर्व पर महंगाई का भी असर दिखाई दे रहा है। क्षेत्र के रानीगंज बाजार, बैरिया, सुरेमनपुर, आदि स्थानों पर चिउरा, गुड़, तिलई, तिलकुट आदि की दुकानें सज गयी है। रानीगंज बाजार के दुकानदार मनोज गुप्त, शिवनाथ, बैजनाथ ने बताया कि महंगाई का थोड़ा असर दिख रहा है। लोग अपने बजट के अनुसार गुड़, तील, तिलई, चिउरा, खरीद रहे हैं। बादजूद इसके ग्रामीणों अंचल में मकर संक्रांति को लेकर काफी उत्साह देखने को मिल रहा है।

चिउरा 60 तो तिलकुट ने बाजार में लगाया दोहरा शतक : चौक बजार के सड़क के पटरियों पर लगे दुकानों पर चिउरा 40 से 50 रुपये प्रति किलो, भुजा चिउरा 50 से 60 रुपये, गुड़ 50 से 60, तिल 180 से 200 रुपये किलो बिक रहा था। वहीं चिउड़ा का तिलवा का रेट 80 से 100 रुपए किलो, फरही का तिलवा 80 रुपये प्रति किलो व पटौरा 80 रुपए किलो बिक रहा था। अधिकांश लोग बंधे हुए तिलवा की बिक्री तेजी से चल रही है।

खास है 2023 का मकर संक्रांति पर्व

साल 2023 की पहला बड़ा त्योहार मकर संक्रांति 15 जनवरी, रविवार को मनाया जाएगा। ये सूर्य की उपासना का पर्व है। सूर्य के धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश करने पर खरमास की भी समाप्ति हो जाती है और सभी मांगलिक कार्य शुरू हो जाते हैं। इस साल मकर संक्रांति बेहद खास मानी जा रही है। क्योंकि रविवार और मकर संक्रांति दोनों ही सूर्य को समर्पित है। पुराणों के अनुसार मकर संक्रांति से सूर्य उत्तरायण होते हैं और ऐसे शुभ संयोग में मकर संक्रांति पर स्नान, दान और सूर्य उपासना से अन्य दिनों में किए गए दान-धर्म से अधिक पुण्य की प्राप्ति होगी। इस दिन तिल का दान करना बहुत ही शुभ माना जाता है।